टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

जंगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

जुलाई-सितंबर, 2020

डिजिटल संवाद और राजभाषा विशेषांक

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। कारपोरेशन में हो रहे परिवर्तनों एवं गतिविधियों को प्रतिबिंबित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी गृह पत्रिका गंगावतरणम् पर है। संपादक होने के नाते मुझे अपने इस विशिष्ट कर्तव्य का भली–भाँति एहसास है। इसलिए मेरा सदैव ही यह प्रयास रहता है कि पत्रिका में नवाचार का संचार होता रहे तथा हर नया आने वाला अंक नए कलेवर से युक्त हो।

COVID-19 वैश्विक महामारी के कारण पिछला अंक (जनवरी–जून) अर्धवार्षिक था। संपादक मंडल द्वारा गंगावतरणम् का यह नवीन त्रैमासिक अंक (जुलाई–सितंबर) आप सभी के सम्मुख प्रस्तुत कर स्थिति को फिर से सामान्य करने का प्रयास है। आप सभी पाठकों से निरंतर मिल रहा प्रोत्साहन व प्रशंसा ही संपादक मंडल के लिए रचनात्मक संजीवनी का कार्य करती है।

प्रौद्योगिकी के बिना संवाद अधूरा है। इसलिए हमारा यह प्रयास रहता है कि संवाद को और सशक्त बनाए रखने के लिए प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक प्रयोग हो, इसी क्रम में गंगावतरणम् का Digital & Animated version हाल ही में निदेशक (कार्मिक) द्वारा लाँच किया गया, जो टीएचडीसी वेबसाइट के होम पेज पर e-Gangavataranam के नाम से उपलब्ध है। यह हमारी एक नई पहल है, आशा है आप सभी इसे सराहेंगे।

यही कारण है कि संवाद में प्रौद्योगिकी के महत्व पर और अधिक बल देने के लिए वर्तमान अंक को "डिजिटल संवाद और राजभाषा" के नाम से प्रस्तुत किया जा रहा है।

यह संपादक मंडल का संगठित प्रयास है कि इस तिमाही के दौरान कारपोरेशन द्वारा जनहित में किए गए कार्यों और टीएचडीसी परिवार के सदस्यों के विचारों को लेख आदि के माध्यम से पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, इसलिए **"डिजिटल संवाद में राजभाषा का योगदान"** को इस अंक की Cover Story के रूप में चुना गया है।

आप सभी से यह शुभ समाचार साझा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2019–20 में राजभाषा प्रोत्साहन एवं प्रचार–प्रसार में उत्कृष्ट योगदान हेतु कारपोरेट संचार विभाग को **"उत्तरोत्तर प्रगतिगामी चल राजभाषा शील्ड"** से सम्मानित किया गया है। आगे भी राजभाषा के प्रति हमारा यह अनुराग बना रहेगा।

इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस, हिंदी पखवाड़ा, विश्वकर्मा दिवस जैसी समसामयिक गतिविधियों को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। आशा है पत्रिका का यह तात्कालिक अंक आप सभी को रुचिकर व ज्ञानवर्धक लगेगा। आप सभी से अनुरोध है कि यह आपकी...हमारी... हम सभी... की पत्रिका है, इसमें सुधार व नवाचार हेतु अपने सुझाव हमे निरंतर प्रदान करते रहें। इस संदर्भ में Canadian Communication Thinker, Marshall McLuhan के यह शब्द "The medium is message" तर्कसंगत लगते हैं ।

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक

मुख्य संरक्षक

श्री डी.वी. सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक

श्री विजय गोयल
निदेशक (कार्मिक)

संपादक

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
उप महाप्रबंधक
(कार्मिक–नीति, भर्ती व जनसंपर्क)

उप संपादक
(प्रबंधन संवाद)
गौरव कुमार
प्रबंधक (जनसंपर्क)

उप संपादक
(सामग्री (हिंदी) व प्रकाशन)
अनामिका बुडाकोटी
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग

श्री पंकज कुमार शर्मा
वरिष्ठ हिंदी अधिकारी

समन्वयक

ऋषिकेश
जे.एल. भारती
ज.सं. अधिकारी

टिहरी
मनवीर नेगी
उप प्रबंधक (ज. सं.)

कोटेश्वर
आर.डी. ममगाई
उप प्रबंधक (ज.सं.)

पीपलकोटी
ए.एल. संतोष कुमार
प्रबंधक (कार्मिक)

कौशाम्बी
बी.एस. चौहान
ज.सं. अधिकारी

खुर्जा
संजीव नौटियाल
उप प्रबंधक (कार्मिक)

ढुकवां
नेलसन लकड़ा
वरि. प्रबंधक (कार्मिक)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

निदेशक (कार्मिक) की कलम से...

प्रिय पाठकों,

जिस प्रकार वर्षा ऋतु के घनघोर काले बादलों के बाद शरद ऋतु में बादल छट जाते हैं और आकाश साफ–साफ दिखाई देता है, उसी प्रकार लॉकडाउन के बाद देश भी अनलॉक की तरफ बढ़ रहा है। इसी कड़ी में हमारी गृह पत्रिका गंगावतरणम् भी जिसका पिछला अंक (जनवरी–जून 2020) लॉकडाउन के कारण अर्धवार्षिक रूप में प्रकाशित हुआ था, अब पहले की भाँति त्रैमासिक (जुलाई–सितंबर अंक) रूप में आप सभी के समक्ष प्रस्तुत है। यह हर्ष का विषय है कि स्थिति सामान्य होने की ओर अग्रसर है परन्तु सावधानी व सामाजिक दूरी बनाए रखना अभी भी बहुत आवश्यक है।

विगत तिमाही में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां हुईं। 07 सिंतबर, 2020 को माननीय विद्युत राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार, श्री आर. के. सिंह द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोटेश्वर परियोजना पर आधारित एक स्मारिका का विमोचन, स्वतंत्रता दिवस, हिंदी पखवाड़ा, विश्वकर्मा दिवस आदि को पत्रिका में प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, इनमें निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करना हम सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। हाल ही में ओएमएस विभाग, ऋषिकेश द्वारा ढुकवां लघु जल विद्युत परियोजना के सुचारू प्रचालन हेतु ओ.एण्ड एम. मैनुअल तैयार किया गया है।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व में विशिष्ट योगदान के लिए माननीय राज्यमंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार, सुश्री देबश्री चौधरी के कर कमलों द्वारा "Silver Award-Mainstream CSR Health Projects (PSU)" प्रदान किया गया। यह पूरे कॉरपोरेशन के लिए गौरव की बात है।

वर्ष 2019–20 में राजभाषा प्रोत्साहन एवं प्रचार–प्रसार में उत्कृष्ट योगदान हेतु **मानव संसाधन विकास विभाग, पशुलोक, ऋषिकेश** को **"अंतर विभागीय चल राजभाषा ट्राफी"** तथा **केन्द्रीय संचार विभाग को "उत्तरोत्तर प्रगतिगामी चल राजभाषा शील्ड"** से सम्मानित किया गया है। राजभाषा से संबंधित दोनों शीर्ष पुरस्कार कार्मिक विभागों को प्राप्त हुए हैं, यह विशेष हर्ष का विषय है। नवाचार को बढ़ाने के क्रम में हाल ही में गंगावतरणम् का Digital & Animated version लॉंच किया गया है। जनसंपर्क विभाग की यह पहल सराहनीय है।

आगे त्यौहारों का मौसम हम सभी की प्रतीक्षा कर रहा है, परन्तु आप सभी से मेरा अनुरोध है कि सावधानी व सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए त्यौहार मनाएं।

स्वस्थ रहें... सुरक्षित रहें...

(विजय गोयल)
निदेशक (कार्मिक)

विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार। सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का स्वतंत्रता दिवस संदेश

74वें स्वतंत्रता दिवस की इस शुभ बेला पर मैं देश के लम्बे स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए समस्त टीएचडीसी परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। साथ ही अपने विचार साझा करने से पूर्व कोविड–19 वैश्विक महामारी की चुनौती के संदर्भ में टीएचडीसीआईएल परिवार के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

वर्ष 2005–06 को गुजरे हुए अभी बहुत अधिक समय नहीं बीता है, जब हमारी कॉरपोरेशन की संस्थापित क्षमता नगण्य थी, लेकिन लगभग 15 वर्षों में हमने 05 परियोजनाओं की सफलतापूर्वक कमीशनिंग कर अपनी संस्थापित क्षमता को 1537MW तक पहुंचा दिया है। टिहरी एचपीपी (1000 MW), कोटेश्वर एचईपी (400 MW), पाटन पवन ऊर्जा परियोजना (50 MW), द्वारका पवन ऊर्जा परियोजना (63 MW) तथा दुकवां लघु जल विद्युत परियोजना (24 MW) से विद्युत उत्पादन के साथ देश के राष्ट्रीय विद्युत उत्पादन परिदृश्य में तीन राज्यों उत्तराखंड, गुजरात व उत्तर प्रदेश में हमारी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

मुझे व्यक्तिगत रूप से इस विकास यात्रा का साक्षी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, यह मेरे लिए गौरव की बात है। इतना लंबा सफर आप सभी के सहयोग और स्नेह के बिना संभव नहीं होता। आप सभी ने एक–एक ईंट बनकर इस कॉरपोरेशन की बुनियाद को मजबूत कर एक बुलंद इमारत को खड़ा किया है, लेकिन जिस प्रकार एक राष्ट्र की चुनौतियां कभी समाप्त नहीं होती, उसी प्रकार एक गतिशील कॉरपोरेशन की चुनौतियां भी कभी समाप्त नहीं होती, इसलिए हमें लगातार अथक प्रयास करने होंगे।

जैसा कि मैंने अभी कुछ दिन पूर्व अपने स्थापना दिवस संबोधन में उल्लेख किया था कि लॉकडाउन के कारण हमें कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ा है परन्तु फिर भी हम टिहरी पीएसपी (1000 MW) और विष्णुगाड पीपलकोटी (444 MW) परियोजनाओं के कार्य को गतिशील बनाए रखने में सफल रहे हैं। निरंतर प्रयासों से टिहरी पीएसपी की प्रगति पर कुछ आशानुकूल प्रभाव दिखाई दिए हैं किन्तु विष्णुगाड पीपलकोटी परियोजना पर और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

खुर्जा सुपर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट (1320 MW) के कुल 08 पैकजों में से 03 पैकेज अवार्ड किए जा चुके हैं तथा अन्य 05 पैकजों पर टेंडरिंग का कार्य प्रगति पर है ।

केरल में सौर ऊर्जा विकास का जो कार्य हमें सौपा गया है उसके अंतर्गत कासरगोड में 50 MW के सौर ऊर्जा सयंत्र के कार्य में सराहनीय प्रगति हुई है। इस वर्ष के अंत तक इस सयंत्र की कमीशनिंग भी हो जाएगी।

आप सभी जानते हैं कि भारत सरकार की "सोलर पालिसी 2019" के तहत महत्वाकांक्षी "सोलर पार्क स्कीम" के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 1800 मेगावाट के अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पॉवर पार्क (UMREPP) को विकसित करने की जिम्मेदारी टीएचडीसी

इंडिया लि. को सौंपी गयी है। इस परियोजना के निर्माण व विकास के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA) के साथ मिलकर "THDC UPNEDA Solar Power Limited (TUSCO Ltd.)" के नाम से Special Purpose Vehicle स्थापित किया जा चुका है।

उत्तर प्रदेश के ललितपुर, जालौन, झाँसी, बुंदेलखंड, मिर्जापुर आदि जिलों में सोलर पार्क विकसित करने हेतु भूमि चिन्हित कर ली गयी है तथा इसका लीज रेंट भी संबधित जिलाधिकारियों द्वारा तय किया जा चुका है और शीघ्र ही हम इस भूमि के भूस्वामियों/उत्तर प्रदेश सरकार के साथ भू–उपयोग हेतु लीज अनुबंध कर इस कार्य को आगे बढ़ाएंगे।

विषम परिस्थितियों के बावजूद वर्ष 2019–20 में हम MOU से अधिक CAPEX प्राप्त करने में सफल रहे तथा कारपोरेशन की MOU रेटिंग Very Good प्राप्त करने हेतु आशान्वित हैं।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र के समक्ष खड़ी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने "आत्मनिर्भर भारत" का आह्वान किया है।

टीएचडीसीआईएल एक जिम्मेदार कारपोरेट नागरिक होने के नाते यह हम सभी का कर्तव्य है कि हम माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान को पूर्ण करने में अपना योगदान दें।

हमारी निर्माणाधीन परियोजनाओं के विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए हमें अधिक से अधिक देश में विकसित व निर्मित संसाधनों का प्रयोग कर विदेशी सामान व सहायता पर अपनी निर्भरता को कम करना होगा। न केवल कारपोरेट नागरिक बल्कि एक देशभक्त भारतीय होने के नाते भी हमारा कर्तव्य है कि हम दैनिक जीवन में भी विदेशी सामान व सहायता पर अपनी निर्भरता को यदि समाप्त न भी कर सकें, तो भी कम से कम माननीय प्रधानमंत्री जी के "आत्मनिर्भर भारत" के आह्वान को आत्मसात करें। इस प्रकार भारत सरकार की अपील "वोकल फॉर लोकल" (Vocal for Local) के भी हम सच्चे सहभागी बन सकेंगे।

जैसा कि विदित ही है कि विद्युत उत्पादन एक तकनीकी प्रक्रिया है जिसमें कुशल मानवशक्ति (Skilled Manpower) की आवश्यकता सदैव ही बनी रहती है। भारत सरकार की दूरगामी "प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना" विद्युत क्षेत्र में कार्यरत मानवशक्ति के कौशल स्तर को सुधारने में अवश्य ही सहायक सिद्ध होगी।

हाल ही में कॉरपोरेशन ने ई–बोली के माध्यम से 10 गुना ओवर सबस्क्रिप्शन के साथ ऋण बाजार से 7.19% की दर से 800 करोड़ के बांड जारी किए हैं। यह कॉरपोरेशन की वित्तीय स्थिति एवं भावी वृद्धि और विकास की संभावनाओं के साथ ही टीएचडीसी पर निवेशकों के भरोसे का परिचायक है ।

स्वतंत्रता दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि परियोजनाओं के विकास में अपना संपूर्ण योगदान देकर देश की विकास यात्रा के भागीदार बनें। विश्वास करें कि आप सभी द्वारा किया जाने वाला कार्य देश के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। हमारी यही प्रतिबद्धता हमें एक कारपोरेशन व देश के रूप में अग्रणी बनाएगी और यही हमारी देश के लिए मर मिटने वाले अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

People's President डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के यह विचार हम सभी के लिए प्रेरणादायक है :-

"Success is possible only when we have commitment to action."

एक बार पुनः आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं ।

स्वस्थ रहें... सुरक्षित रहें ...

जय हिंद !

(डी.वी.सिंह)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Unveiling Ceremony of "Special Issue on Koteshwar Hydro Electric Project" of "Water & Energy International" published by CBIP

The Unveiling Ceremony of "Special Issue on Koteshwar Hydro Electric Project" of"Water & Energy International" published by CBIP was held on 07.09.2020 through Video Conferencing. This special issue was unveiled by Hon'ble Minister of State (IC) (Power and New & Renewable Energy) & Minister of State (Skill Development and Entrepreneurship), Government of India. Secretary (Power), MoP with other dignitaries of MoP, CEA, CWC, CBIP, CMDs of Power Sector CPSEs and CMD, Directors of THDCIL were present during the ceremony.

Hon'ble MoS(IC) for Power & NRE, Govt. of India, Sh. R.K. Singh unveiling the special issue on Koteshwar HEP through Video Conferencing from Delhi

Sh. D.V. Singh, CMD, THDCIL welcomed Hon'ble Minister and all other esteemed dignitaries followed by a small video presentation highlighting all its operational projects and progress of under construction projects. CMD, THDCIL proudly informed the august gathering that Koteshwar Project holds a distinct place not only in the history of THDCIL but also in entire hydro power sector because this Project was completed in a record time of 4 years despite flooding of power house due to unprecedented rains and cloud burst phenomenon in Uttarakhand at the fag end of monsoon in third week of Sept. 2010 when project works were near completion.

Sh. D.V. Singh, CMD, THDCIL speaking during the unveiling the special issue on Koteshwar HEP through Video Conferencing from Rishikesh

Secretary (Power), MoP also mentioned in his speech that the innovative decisions of THDCIL management of taking up this derailed project on risk and cost method, induction of new technology and dedicated round the clock efforts of all engineers and employees made it possible. Efforts of THDCIL were appreciated by Ministry of Power and the whole Hydro Sector Fraternity. Koteshwar Project was also conferred with PMI Award 2012, and CIDC Vishwakarma Award 2013 for Best Construction Project in its category.

In his speech Hon'ble Minister appreciated the efforts of THDCIL engineers to complete the Project in a record time and mentioned that it became possible only when the THDCIL engineers took an out of box decisions for revival of the derailed Project and later completing it on faster pace. This is a perfect example how timely and positive decision making can make turnarounds. Such type of decision making is the need of the hour for revival of country's economy suffered due to COVID-19 pandemic.

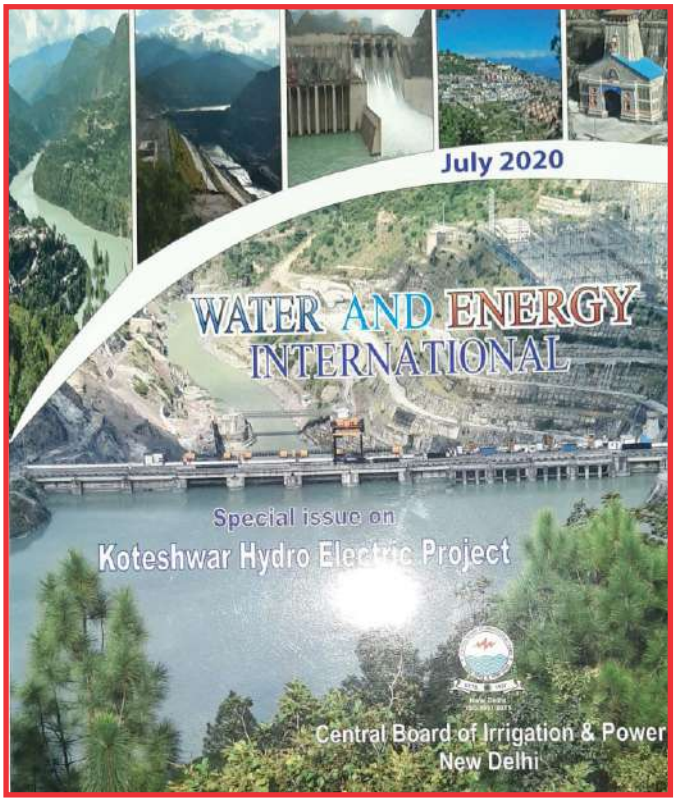

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

'SILVER Award – Main Stream CSR Health Projects (PSU)' conferred to THDCIL

On 22nd August 2020, THDC India Limited was conferred 'SILVER Award – Main Stream CSR Health Projects (PSU)' category for its phenomenal contribution in Corporate Social Responsibility by Hon'ble Minister of State for Woman and Child Development Smt. Debasree Chaudhuri, under CSR HEALTH IMPACT AWARD 2020: COVID-19 EDITION organized by Integrated Health and Wellbeing (IHW) Council in association with 'Jagran Pehel'.

THDC India Limited was primarily recognized by the jury and the chief guest for its sincere CSR efforts for strengthening of primary health facilities in distant rural locations of Tehri District, through establishment of 40 Tele-Medicine Centers, by leveraging information technology in convergence with District Administration, Tehri Garhwal.

Sh. Shailendra Singh, General Manager (Social & Environment), on behalf of THDC India Limited, received the award and expressed gratitude for recognizing THDCIL's CSR initiatives on such a reputed platform.

Effect of COVID-19 Pandemic on THDCIL

Novel Corona Virus (COVID-19) Pandemic has caused an unprecedented collapse in economic activities and has severely affected throughout the world. At this critical juncture of crisis, THDCIL is firmly standing by Govt. of India as well as State Govts. in fight against COVID-19. Out of available resources, all possible efforts are being made to contribute as per guidelines of Govt. of India and assist Distt. Administration / State Government to provide all possible help to the needy. Contribution of Rs. 10 Cr. to PM CARES fund and Rs. 2 Cr. to Uttrakhand State Relief Funds was made by THDCIL which includes part contribution from salary of its employees.

All construction works at THDCIL under construction projects remained suspended since 22.03.2020 in compliance to various orders of Govt. of Uttarakhand and Govt. of India declaring complete "Lockdown". However, to support the economy in response to adverse impacts of spread of the COVID -19 pandemic, all Operational Plants of THDCIL i.e. Tehri HPP(1000 MW), Koteshwar HEP (400 MW), Patan Wind farm (50 MW) and Dev Bhoomi Dwarka Wind Farm (63 MW) were kept in continuous operation taking all prescribed safety measures and precautions against COVID-19 during Lockdown period.

The works on all four under construction Projects of THDCIL i.e Tehri PSP(1000 MW), VPHEP(444 MW) , Khurja STPP(1320 MW) and Solar Power Project Kasargod (50 MW) was re-started w.e.f. 20.04.2020 with limited available resources, taking all prescribed safety measures and precautions against COVID-19 in Compliance to MHA order dt. 15.04.2020 and other guidelines issued by Govt ./Authorities from time to time. Due to restriction on inter-state transportation of material, equipment and manpower, closure of stone crushers, Plants of construction material, there was shortage of required resources. Contractors for many new works or even running works could not mobilize at Site due to restrictions imposed by Govt.

Therefore, progress of work remained slow at site due to availability of limited resources and compliance of mandatory safety guidelines. However, progress at various under construction projects is gaining momentum after implementation of Unlock guidelines as issued from Government from time to time. It is expected that completion schedule of various under construction Projects viz. Tehri PSP, VPHEP, Khurja STPP and Kasargod Solar Plant may be impacted by about 6 months.

विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार। सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

सादगी से मनाया गया 74 वां स्वतंत्रता दिवस

नोवल कोरोनावायरस (कोविड–19) के दृष्टिगत इस वर्ष 15 अगस्त को कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के साथ–साथ सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए सीमित अधिकारियों की उपस्थिति में 74वाँ स्वतंत्रता दिवस सादगी से मनाया गया। इस अवसर पर ऋषिकेश में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह, ने राष्ट्र ध्वज फहराया तथा उपस्थित सीमित जन समूह को संबोधित किया। परियोजना प्रमुखों ने स्वतंत्रता दिवस पर अपनी–अपनी परियोजनाओं/कार्यालयों में राष्ट्र ध्वज फहराने के साथ ही इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा जारी स्वतंत्रता दिवस संदेश को उपस्थित सीमित अधिकारियों व कर्मचारियों के समक्ष पढ़ा।

ऋषिकेश

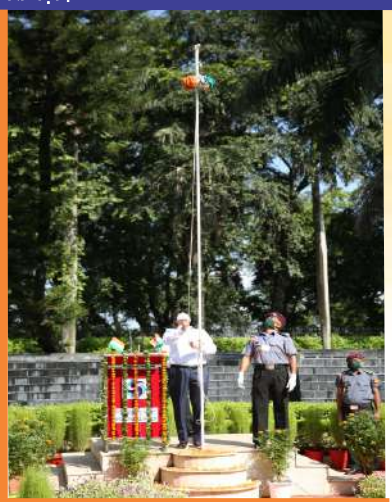

ध्वजारोहण एवं अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री डी.वी. सिंह

टिहरी

श्री वी.के. बडोनी, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते

कोटेश्वर

ध्वजारोहण के पश्चात अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री यू.के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

पीपलकोटी

ध्वजारोहन करते श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (परियोजना)

देहरादून

देहरादून कार्यालय में ध्वजारोहण समारोह का दृश्य

ढुकवां

ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान करते अधिकारीगण

खुर्जा

अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते श्री एस.पी. सिंह, महाप्रबंधक (परियोजना)

विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार। सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

O&M - Interventions

Sh. Muhar Mani, ED(OMS), Sh. H. Wadhwa, GM (P), Dhukwan and Consultant, THDCIL launching the O&M Manual

First edition of O&M Manual-cum-Preventive Maintenance Schedule prepared by OMS, QA & Safety Deptt Rishikesh for implementation at maiden SHP (3x8 MW Dhukuwan) of Corporation was unveiled on 03.09.2020 at Project by ED (OMS,QA & Safety), GM (Project) Dhukwan and Consultant THDCIL. The document will serve as a guiding tool to O & M Staff to undertake daily & periodic Maintenance activities of Plant in a professional manner and in accordance with best O&M practices. Strict implementation of document shall help operating & maintaining the Plant very efficiently, similar to other Hydro Projects of Corporation, which will certainly lead to longivity of the equipments in project at whole

Dam Safety Practices

THDC India Limited is committed to follow Dam Safety Guidelines to ensure Safety of Structures and Downstream Population, while operating its Tehri HPP (1000MW) & Koteshwar HEP (400MW)

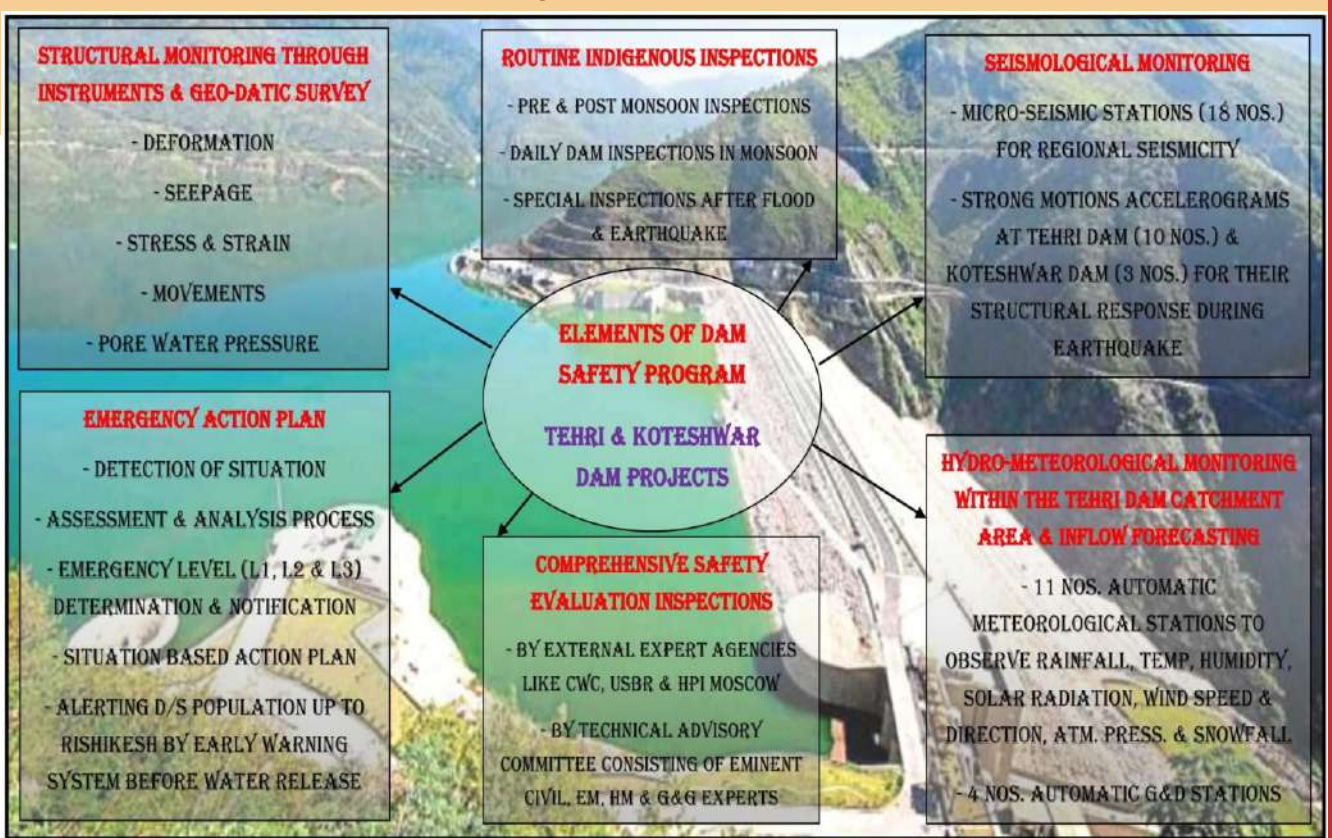

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

Ganga-A Sacred River

The Ganga is a sacred river to Hindus along every fragment of its length. All along its course, Hindus bathe in its waters, pay homage to their ancestors and to their gods. On the journey back home from the Ganga, they carry Ganga Jal with them for use in rituals. The Ganga is the embodiment of all sacred waters in Hindu mythology. Hindus consider the waters of the Ganga to be both pure and purifying but the Ganga suffers from extreme pollution levels, caused by the 400 million people who live close to the river. Sewage from many cities along the river's course, industrial waste and religious offerings wrapped in non-degradable plastics add large amounts of pollutants to the river as it flows through densely populated areas. The problem is exacerbated by the fact that many poor people rely on the river on a daily basis for bathing, washing and cooking. The Ganga is home to approximately 140 species of fish and 90 species of amphibian. The river also contains reptiles and mammals, including critically endangered species such as the gharial and South Asian river dolphin. The levels of fecal coliform bacteria from human waste in the river near Varanasi increases to hundred times the official limit.

Since 1985, lot of efforts have been made on cleaning of the Ganga and many more efforts are still being made. In July-2014, "Namami Gange" Programme was initiated which will likely be completed in 2021. After the outbreak of Covid-19, Coronavirus and declaration of outbreak a Pandemic, Govt of India along with the States imposed a countrywide lockdown on 22nd March and which continued till May end. Though the lockdown caused heavy economic set back on account of commercial and financial losses to individuals and companies but it did wonders in rejuvenation of the Ganga. Huge amount and efforts put on cleaning of the Ganga could not give such a result like lockdown. The water of the Ganga during lockdown became clean and clear. Numbers of articles and reports in newspapers and social media were being circulated about the significant improvement in quality of water in the Ganga and also in the Yamuna river which is one the major tributary of the Ganga and considered as the most polluted river of India. At many places, temple priests and worshippers had been quoted as saying that the water has now became suitable for "Aachman and Snan". In Kanpur as well, the Ganga water became cleaner due to lockdown. Since beginning of the lockdown, BOD and COD were continuously improving which itself is an indicator of decreasing pollution level in water. National Mission on Clean Ganga (NMCG) collected samples of water regularly from the river to analyse the real impact of lockdown on quality of water.

The reasons for the present state of the Ganga are discharging of industrial pollutants and waste, municipal sewage and garbage into the river. Apart from it, ashes of burnt dead bodies, partially burnt dead bodies, remains or waste after rituals are also immersed directly into river. Many people flock to the river banks to take holy dip and sometimes, during auspicious days, the number rises upto several millions; it is also a cause of pollution due to human waste and disposal of non-decomposable items. Since long, it has been a misconception that the river regulating structures like dams, barrages and hydro projects are deteriorating the quality of water. It may be because of the ignorance, beliefs and vested interests of the sections of the societies, groups and NGO's. Such misconceptions have badly affected the planning and implementation of various such projects. As a result, the available potential of our rivers is largely unutilized for the benefit of society; moreover, the rivers have been kept on flooding their plains and devastating the human lives along their course. More than 70% of the water in our rivers is received during three months of monsoon but because of lack of required engineering structures, most of it goes waste into sea.

Out of the outlined causes, the lockdown had eliminated mainly two causes, disposal of industrial waste and disposal of waste generated during the gatherings on the river banks. Elimination of only these two causes of water pollution has improved the quality of water significantly. Once the disposal of municipal sewage and waste will be taken care of completely under NMCG, the Ganga water will again become pure and clear. The river regulating structures like dams, barrages and hydro projects have hardly any effect on water quality. If all such projects are planned and implemented scientifically with complete adherence to Ministry of Environment and Forest (MOEF) guidelines, they would be a boon to society by utilizing the available water optimally for irrigation, drinking and power generation. Moreover, by augmenting the lean flow discharge in the river, storage dams could further help improve water quality.

So, it would not be hypothetical to state that the lockdown is helping in improving water quality of our rivers.

Source: *Articles in Newspapers and Social Media*

Chairman's Address at 32rd Annual General Meeting

Dear Members,

I feel privileged and it gives immense pleasure to welcome you all to 32nd Annual General Meeting of your Company, and to present Report of the Auditor's and Directors' Report for the year 2019-20 along with Annual Audited Accounts. I would now seek your permission to take them as read.

As per directions of GoI, NTPC signed the share purchase agreement to buy the entire 74.496% stake of Govt. of India in THDCIL on 25th March-20 and acquisition of stake completed on 27th March-20. However management control of the Company remains with and through Ministry of Power only. We also welcome two nominated functional Directors of NTPC to the THDCIL Board.

Three decades of sustained hard work and excellence has enabled your Company carve itself a place amongst its peers in the Power Sector. Through sheer performance and execution, THDCIL has transformed from a single project into a diversified Power major having presence in five states.

I am delighted to state that your company has commissioned 24 MW Dukhwan SHP and started commercial operations from 13th Jan-20. With this, installed capacity of your company has increased to 1537 MW.

I again feel honored to state that THDCIL's Two Operational Hydro Power stations played a key role in ensuring Grid Stability **during "Prime Minister's 09 Minutes Switch Off Lights Call"** at 9 PM on 5th April-20, as it provided the flexibility of a quick ramp up & ramp down of generation in very short tranches of time. During the event, the total reduction in all India demand recorded was 31,089 MW.

- At our Tehri HPP, Total station load at 20:50 Hrs was maintained at 760 MW, grid frequency 49.90 Hz. at 20:58 Hrs, in coordination with NRLDC and monitoring the grid frequency, total station load was gradually reduced up to 98 MW, grid frequency 50.10 Hz as per grid requirement. The station load was gradually increased to 595 MW at 21:35 Hrs, in coordination with NRLDC amid monitoring the grid frequency.
- At Koteshwar HEP, during the event, Station load was gradually ramped down from 211 MW to 37 MW by monitoring the grid frequency. After the event, the station load was gradually increased to 190 MW in consultation with NRLDC.
- Both of our projects have successfully met the requirement of ramp up and ramp down at very short period of time.

The outbreak of COVID-19 Pandemic has presently shaken the entire World. Almost entire activities on the Universe came to halt. The economy of the world has taken a deep slow down. During the COVID-19 Lockdown period, there was huge drop down in the Energy demand, which is now picking up slowly with gradual un-lock. We all are eagerly waiting to see end of this deadly Pandemic from our lives. At this critical juncture of crisis, as a responsible Corporate Citizen, besides other relief measures to local communities, THDCIL has also contributed Rs. 10.00 Cr. to PM CARES fund and Rs. 2.00 Cr. to CM relief funds of GoUK, including one day salary of employees.

The Government of India has an ambitious target of 175 GW cumulative Renewable Power installed capacity by the year 2022. The electricity generation target of conventional sources for the year 2020-21 has been fixed as 1330 Billion Unit (BU), i.e. growth of around 6.33% over actual conventional generation of 1250.784 BU for the previous year (2019-20). The conventional generation during 2019-20 stood at 1250.784 BU as compared to 1249.337 BU generated during 2018-19, representing a growth of only 0.12%. As per CEA, contribution of renewable energy sources is estimated to be around 21% of the total electricity demand of the country in the year 2021-22 and 24% by 2026-27.

The implementation of New Hydro Policy by Govt. of India in March-19,shall certainly prove to be a milestone in growth of Hydro Sector. Further initiatives / stimulus announced by Govt. during COVID-19 Lockdown, shall certainly improve financial health of Generators. With significant amount of wind and solar power into the Grid, it

requires balancing strategies and storage options through the Pumped Storage Schemes (PSS). Incentivizing hydro sector, especially Pumped Storage Plants is the need of the hour as they balance the grid for demand–supply fluctuations.

After Investment Approval of your maiden Thermal Power Project, 1320 MW Khurja STPP and Amelia Coal Mine Project in March-2019, three major packages were awarded during FY 2019-20 and work was progressing in right direction until start of COVID-19. However, with ease in lockdown, works were re-started on the very first day i.e. 20th April-20 with limited available resources and taking all prescribed safety measures and precautions against COVID-19 and works are gradually picking up thereafter.

Your company has issued Corporate Bonds Series -III amounting to Rs. 800 Cr with base issue size of Rs 300 Cr. and green shoe option of Rs 500 Cr. The bidding was done on 22nd July 2020. The coupon rate discovered through Electronic Bidding Platform (EBP) is 7.19%. These corporate bonds have tenor of 10 years and the bond proceeds shall be used to partly meet debt requirement of ongoing projects and recoupment of expenditure already incurred and repayment of loan.

With our continuous efforts towards par excellence and outstanding contribution to the Nation, your 1000 MW Tehri Hydro Power Plant has bagged the Best Performing Utility in Hydro Power Sector award declared by CBIP in February 2020.

Review of Previous FY 2019-20

I feel delighted to apprise that during 2019-20, Company's all Operational Plants performed exceptionally well. Total cumulative generation from all plants was 4527 MUs, above the MoU target of 4500 MUs Plant Availability Factor (PAF) of 82.73 % and 76.31 % was achieved for Tehri HPP and Koteshwar HEP respectively, against the revised normative figures of 80% and 68% respectively. Patan and Dwarka Wind Power Plants achieved Capacity Utilisation Factor (CUF) of 23.70% and 32.13% against targeted CUF of 24.91% and 26.26% respectively.

Gross sales during the year 2019-20 is Rs. 2123.10 Cr. Total realization during the year 2019-20 is Rs. 1973.09 Cr. The net Profit is Rs. 903.43 Cr. this year. MoU rating of your company for the year 2019-20 is expected to be 'Excellent'.

Projects

After the introduction of financial arrangement with the consent of MoP in March-19, work on both the projects (1000 MW Tehri PSP and 444 MW Vishnugad Pipalkoti HEP) was getting momentum and Tehri PSP was fully on track, while progress at VPHEP improved significantly. At VPHEP, TBM has been commissioned in November 2019 and pushing into the Launching Chamber was also completed in February 2020.

But due to sudden outbreak of COVID-19 Pandemic, all construction works at THDC projects remained suspended since 22nd March-20 in compliance of "Lockdown Guidelines". However, both Operational Hydro Plants and Wind Projects of THDCIL were kept in continuous operation taking all prescribed safety measures and precautions against COVID-19 during Lockdown period. Further, with ease in lockdown, works on all under construction Projects were re-started with limited available resources and taking all prescribed safety measures and precautions against COVID-19. Due to exodus of migrant labourers, as trend seen all over country,the work progress at our projects also got affected. However, with the efforts made by THDCIL, the situation has now significantly improved at all under construction projects. As a result, 50 MW Kasargod Solar Power Project is now anticipated to be commissioned by Dec-2020. With its commissioning, installed capacity of your company would increase to 1587 MW.

For main works of 1320 MW Khurja STPP, three packages, namely; Steam Generator (SG) and Associated Packages, Turbine Generator (TG) and Associated Packages, Switchyard package have been awarded, while balance packages are scheduled to be awarded by Dec-2020. At Amelia Coal Mine, a total of 1412.37 Ha. land acquisition is under various stages of clearances. The Mining Plan has been approved by MoC. Tender documents for selection of Mine Developer and Operator (MDO) have been prepared and process to appoint MDO is under progress.

Corporate Social Responsibility and Sustainability

Your Company continued extensive activities towards Corporate Social Responsibility (CSR) in Company's operational areas through company sponsored society 'SEWA-THDC'.

THDCIL's operational area is quite large and mandatory CSR fund of the company is not adequate to address even the basic necessary requirements of the stakeholders. To overcome the situation, your company entered into the partnership projects with various State / Central Govt. Deptts. / agencies and successfully mobilised additional funds amounting to more than Rs. 8.00 Cr. available in agriculture, horticulture, watershed development, rural development, health

and irrigation fields etc. for overall and sustainable improvement in the lives of the targeted communities.

In line with the DPE directives, your company has been able to utilize 60% of CSR Budget on CSR Theme for 2019-20 "School Education, Health Care and Nutrition". On the Health front, your Company, under joint project with State Health Dept., has scaled up telemedicine project in 20 new locations (Total 40 centres) in remote areas of district Tehri Garhwal as per stakeholders' requirement, which are now able to cater around one lakh population of approximately 200 Gram Sabhas.

To give boost to Government's target of doubling of farmers' income by the year 2022, total 83 Farm Machinery Banks have so far been established in district Tehri Garhwal and Haridwar to enhance efficiency of the farmers by supporting them with modern equipment like Power Tillers, Tractor, Thresher etc through Self-Help-Groups. In order to achieve maximum success, efforts were made to envisage the CSR projects with people's participation, preferably women starting from identification to selection and implementation of CSR activities. Under these efforts, 100 plus SHGs and 2 cooperatives were created for beneficiaries during the financial year.

I am delighted to inform you that your company took lead and was first organization to commemorate the first CSR Day on 9th May, 2019. Addl. Secretary, Deptt. of Public Enterprises also joined the function and applauded the CSR activities undertaken by THDCIL and its convergence projects in livelihood, telemedicine, health care and farm machinery banks. It was incredible CSR work of THDCIL that made it pioneer in releasing the book "10 Years of Enlightening Lives" on CSR Day, which Addl. Secretary, DPE termed as not merely a record of achievements, but an authentic document of tested CSR practices providing choices to other CPSEs to replicate best practices.

THDCIL has strongly stood with the Govt. in the fight against COVID-19 pandemic. Employees of the company, actively participated in protection and relief operations in all project areas and nearby localities with the support of local administration.

It's a matter of great pride for all of us that during FY 2019-20, your company was conferred with various awards under different domains, namely, CSR Health Impact Award-2019 by IHW Council under Category "Rural Health Initiative", National CSR Leadership Award-2019 by ZEE Business under Category "Concern for Health", CSR Times Award -2019 by National CSR Summit under Category "Rural Development and Infrastructure" and World CSR day Congress and Awards 2020 by ET Now under Category "Concern for Health".

Corporate Governance

Your company believes in conducting business in a manner that complies with the philosophy of Corporate Governance, exemplifies each of our core values and positions us to deliver consistent stakeholders' value enhancement, favourable outcomes to our customers, and opportunities to our employees, making the suppliers our partners in progress and enriching the society. Your Company has been complying with the requirements of Guidelines issued by Department of Public Enterprises, GoI and all other applicable provisions of Companies Act, 2013 and SEBI Regulations. I am pleased to share with you that your Company has been continuously achieving "Excellent" rating for compliance with DPE guidelines on Corporate Governance.

The Company has a strong legacy of fair, transparent and ethical governance practices. In pursuit of which your company established separate vigil Mechanism report for taking action against unethical conduct. As an integral part of such Vigil Mechanism, the Whistle Blower Policy of your company has been put in place.All information regarding Whistle Blower Policy is available on the website of company. For taking up complaints of the Investors, your company uses centralized web based Complaint Redressal mechanism of SEBI, SCORES. I am pleased to share with you that your Company has not received any investor grievance during the financial year.

Your Company's philosophy of Corporate Governance stems from its belief that the spirit of good governance lies in adherence to highest standards of transparency, accountability, ethical business practices, compliance of law in true letter and spirit, adequate disclosures, corporate fairness, social responsiveness and commitment to the organization to meet stakeholder's aspirations and societal expectations.

Your Company is a socially responsible corporate entity which is committed to improving the quality of life of the society at large by undertaking projects for Sustainable Development. In pursuit to help "save environment", your Company has shifted to web based e-office with the help of NIC.Further, your Company has also implemented paperless Board for transparency and good governance many years ago. It reduces usage of paper to large extent and has brought accountability and speedy clearances of files.

Future Outlook

To meet the increasing electricity demand in the country, need of the hour is to commission our under construction projects on fast track. Exploring new business avenues is the prime agenda for sustainable growth of the company. Taking all necessary precautions and safety to avert COVID-19 Pandemic, I am sure that dedicated and experienced employee force of company would put in their best efforts to achieve the above feet.

Your company is fully concentrated to take more Hydro Projects in the Uttarakhand as well as in other hydro rich states of the country. The renewable energy projects are also on the prime agenda for Sustainable economic growth of the company.

It gives me immense pleasure to inform that MNRE has allotted THDCIL to develop 2000 MW UMREPPs through SPV/JVC in the state of Uttar Pradesh and 1500 MW in Rajasthan. Formation of JV Company with UPNEDA is already done. TUSCO Limited (THDC UPNEDA Solar Corporation Limited) is formed with 74% & 26% Equity partnership of THDC and GoUP respectively.

commendable efforts by entire THDCIL family needs appreciation and to be applauded soundly. On your behalf, I would seek their continued support with same zeal in the time to come. In recognition, their efforts would be rightly awarded in the time to come.

I would like to thank Govt. of India, Ministry of Power and other Ministries of Govt. of India, Govt. of UP and Govt. of Uttarakhand for their guidance and whole hearted support. I also convey my gratitude to CEA, CWC, CERC, DPE, SEBI, BSE, NSE, other regulatory authorities and Non-Governmental agencies, for their immense support and co-operation.

Our stakeholders for their support and trust shown, is also required to be thanked. I also thank our Contractors and Suppliers, Banks and financial institutions, for their contribution and support in the growth of your Company.

Before I end to my words and patient hearing by you all, I thank my esteemed colleagues on the Board from the bottom of my heart and seek their encouragement and valuable guidance in future.

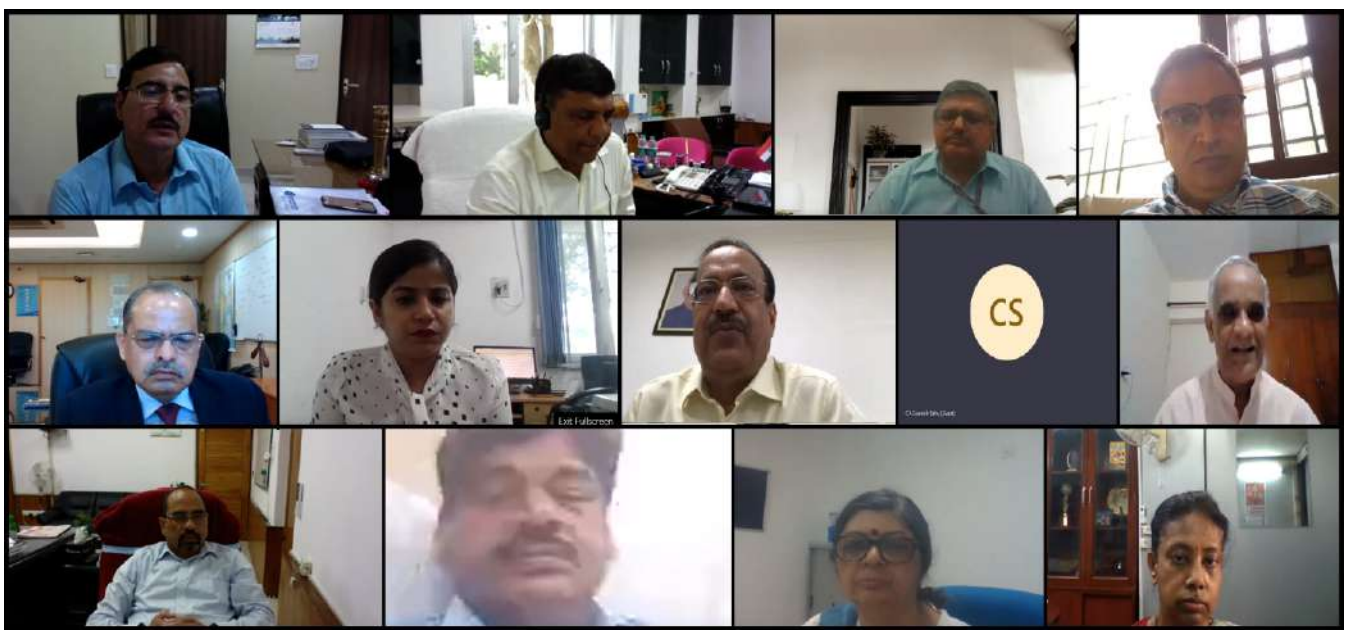

Screenshot of 32 AGM conducted through Video Conferencing on 22nd September, 2020

Acknowledgment

Gentlemen, in the past one year, entire employee force with their dedicated efforts, brought the Tehri PSP back on the track and VPHEP started progressing well. But still VPHEP needs more management interventions which will be out of contract and out of box to bring it on track fully. The activities of Khurja STPP, Amelia coal Mine are moving in right direction as perceived. The truly

With best wishes,

(D.V. Singh)
Chairman & Managing Director
DIN: 03107819

Place: Rishikesh
Date : 22.09.2020

डिजिटल साक्षरता में राजभाषा का योगदान

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
संपादक व
उप महाप्रबंधक (जनसम्पर्क)

गौरव कुमार
उप संपादक व
सोशल मीडिया अधिकारी

पंकज कुमार शर्मा
वरिष्ठ हिंदी अधिकारी व
सचिव, नराकास–हरिद्वार

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में इंटरनेट सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांति की सबसे बड़ी देन माना जाता है। कार्यालय में पत्राचार, गूगल सर्च, अध्ययन, इंटरनेट बैंकिंग या सोशल मीडिया हो, हमारे सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन का कोई भी पहलू आज कम्प्यूटर तथा इंटरनेट से अछूता नहीं है।

वह समय भी इतिहास में बहुत पीछे नहीं है जब कम्प्यूटर तथा इंटरनेट जैसी सेवाओं को संभ्रांत और साक्षर वर्ग के उपयोग हेतु माना जाता था। इसका सबसे बड़ा कारण था कम्प्यूटर का केवल अंग्रेजी भाषा में होना तथा इंटरनेट के प्रयोग में अंग्रेजी, आधारभूत भाषा होना जिससे कि वे देश जिनमें पढ़ने और लिखने वालों की संख्या कम है, इसके प्रसार में लंबे समय तक बाधक बने रहे।

डिजिटल साक्षरता से अभिप्राय उन व्यक्तियों से है जो कम्प्यूटर तथा इंटरनेट का उपयोग करने में सक्षम हैं। इसमें भाषा का बड़ा योगदान है। तकनीकी के विकास के साथ जब कम्प्यूटर तथा इंटरनेट का उपयोग अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं जैसे हिंदी में भी संभव हो सका तब भारत जैसे देश में डिजिटल साक्षरता में एकाएक वृद्धि हुई।

वर्ष 2021 में भारत में Mobile Internet Users की संख्या 469.3 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। जिसमें शहरी भारत में इंटरनेट का प्रयोग 51% की दर से और ग्रामीण भारत में 16% की दर से बढ़ रहा है जो कि यह दर्शाता है कि ग्रामीण भारत में इसके बढ़ने की संभावना बहुत अधिक है। इसका मुख्य कारण है हिंदी में इंटरनेट के उपयोग में वृद्धि होना।

आज चाहे फेसबुक में हिंदी में कमेंट करना हो, ट्वीट करना हो, गूगल सर्च या अनुवाद करना हो, ऐप से ऑनलाइन टैक्सी बुक करना हो, सब कुछ केवल हिंदी में ही नहीं बल्कि लगभग सभी भारतीय भाषाओं में इंटरनेट पर उपलब्ध है। यही नहीं, अब यूनिकोड जैसे सॉफ्टवेर से हिंदी टाइपिंग भी आसान हो गयी है।

फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और स्नैपचैट जैसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आई डी की फौरन काम करने की प्रकृति ने हमारे लिए जुड़ाव बनाने और सूचनाएं साझा करने की नई राह निर्मित की है। आज हम कभी भी परस्पर संवाद व टिप्पणी करते हैं और कुछ भी साझा कर सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की एक हालिया मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लॉकडाउन की शुरुआत के बाद से मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल औसतन लगभग 10%बढ़ गया। इस मामले में दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में भले ही 3% की वृद्धि देखी गई, परंतु छोटे दूरसंचार सर्कल्स में 15%की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

भारत सरकार की पहल "डिजिटल इंडिया" का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। आज Arial Unicode MS जैसे फोंट की सहायता से हिंदी टाइपिंग आम उपभोक्ता के लिए बहुत आसान हो चुकी है। गूगल सर्च इंजन कई भारतीय भाषाओं में परिणाम देते हैं। बिना लिखे केवल आपकी अपनी भाषा में आवाज सुनकर भी गूगल सर्च इंजन परिणाम उपलब्ध करा देता है। वर्तमान में शहरी भारत में आम उपभोक्ता के बिल का 65% भाग मोबाइल डाटा का होता है जो 5 वर्ष पूर्व केवल 45% था। विमुद्रीकरण के समय भारत सरकार द्वारा लॉन्च किए गए भीम ऐप जैसे कई मोबाइल वॉलेट

अंग्रेजी के अलावा हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में प्रयोग के लिए उपलब्ध हैं, जिसके कारण मोबाइल बैंकिंग भी आम जनता तक पहुँच सका।

यहाँ इस प्रसंग का उल्लेख करना आवश्यक प्रतीत होता है–जब विश्व में टाकिंग कम्प्यूटर (Talking Computer) बनाने की बात चली तो उसके लिए एक भाषा के चयन की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। इस चयन अभियान में संस्कृत को विश्व की सबसे वैज्ञानिक भाषा माना गया, क्योंकि संस्कृत में जो लिखा जाता है, वही बोला जाता है। इसके विपरीत अंग्रेजी जैसी भाषा में (P,T,S जैसे अक्षर) कई बार silent होते हैं। जैसे अंग्रेजी में बोले "I Know this" या "I No this" तो टाकिंग कम्प्यूटर दोनों का भेद नहीं समझ पाएगा। यह प्रसंग भी हिंदी की जनक भाषा संस्कृत और उसकी उपयोगिता को दर्शाता है।

यदि हम भविष्य की ओर देखें तो भारत में 536 मिलियन लोगों के द्वारा हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में इंटरनेट का प्रयोग करने की संभावना है, यह तथ्य अपने–आप डिजिटल साक्षरता में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के योगदान का परिचायक है।

निज भाषा उन्नति बिना, कबहुँ न है है सोय।
लाख उपाय अनेक यों, भले करे किन कोय।।
इक भाषा इक जीव इक, मति सब घर के लोग।
तबै बनत है सबन सों, मिटत मूढ़ता सोग।।

विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार। सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कारपोरेट कार्यालय एवं सभी परियोजना कार्यालयों में 14 से 28 सितंबर, 2020 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान, प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे निबंध, नोटिंग-ड्राफ्टिंग, हिंदी टंकण, अनुवाद, काव्य पाठ एवं हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

ऋषिकेश

कारपोरेट कार्यालय में 14 से 29 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा सादगी से मनाया गया। इस दौरान कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन ऑनलाइन किया गया। यह पखवाड़ा 14 सितंबर को हिंदी दिवस समारोह से प्रारंभ हुआ एवं इसका समापन 29 सितंबर को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में पुरस्कार वितरण के साथ किया गया। बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह निगम के निदेशक(कार्मिक), श्री विजय गोयल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह में कारपोरेट कार्यालय के सभी विभागों एवं अनुभागों के प्रमुखों तथा हिंदी नोडल अधिकारियों एवं विजेता कर्मचारियों ने कार्यक्रम में ऑनलाइन भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं हिंदी पखवाड़ा के प्रतिभागियों को आनलाइन संबोधित करते हुए निदेशक (कार्मिक), श्री विजय गोयल

निदेशक (कार्मिक), श्री विजय गोयल ने अपने संबोधन में सभी विजेता कर्मचारियों को बधाई देते हुए सभी कर्मचारियों से अपना समस्त सरकारी कामकाज हिंदी में कर राजभाषा विभाग के दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, श्री पंकज कुमार शर्मा ने पूरे कार्यक्रम के बारे में मुख्य अतिथि एवं सभी उपस्थित कर्मचारियों को अवगत कराया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हुई हिंदी निबंध प्रतियोगिता में श्री हरीश चन्द्र उपाध्याय, वरि. प्रबंधक, नोटिंग ड्राफ्टिंग में श्री शिवराज चौहान, वरि. प्रबंधक, अनुवाद में श्री संजय रावत, प्रबंधक, कविता लेखन में श्री एस.के. चौहान, उप महाप्रबंधक प्रथम रहे। अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए अलग–अलग आयोजित की गई हिंदी ई–मेल प्रतियोगिता में श्री अजय कुमार, वरि. प्रबंधक एवं श्री खीम सिंह बिष्ट, वरि. सहायक प्रथम रहे। पखवाड़ा के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य संस्थानों के लिए राजभाषा हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें केंद्रीय विद्यालय नं.–1, रुड़की के श्री संजीव कुमार, पीजीटी(हिंदी) प्रथम रहे।

समारोह में मानव संसाधन विकास विभाग को अंतर विभागीय चल राजभाषा ट्राफी तथा कारपोरेट संचार विभाग को उत्तरोत्तर प्रगतिगामी चल राजभाषा शील्ड प्रदान की गई।

इनके साथ ही विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया । हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने वाले विभागाध्यक्षों की श्रेणी में श्री एन.के. प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (कार्मिक–प्रशासन), सर्वाधिक डिक्टेशन की श्रेणी में श्री मुहर मणि, कार्यपालक निदेशक (ओएमएस), मूल रूप से टिप्पणी लेखन में श्री सचिन मित्तल, प्रबंधक एवं श्री आशुतोष कुमार आनंद, प्रबंधक प्रथम रहे।

राजभाषा प्रोत्साहन एवं प्रचार–प्रसार के लिए उत्कृष्ट योगदान हेतु कारपोरेट संचार विभाग को प्रदान की गयी "उत्तरोत्तर प्रगतिगामी चल राजभाषा" शील्ड के साथ विभाग के विभागाध्यक्ष, उप महाप्रबंधक डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, नोडल अधिकारी श्री जे.एल. भारती के साथ कारपोरेट संचार विभाग की टीम

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

टिहरी

हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (टी.सी.), श्री वी.के. बडोनी, महाप्रबंधक (पी.एस.पी), श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (पी.एस.पी), श्री एस.एस. पंवार, महाप्रबंधक (स्टेज–1), श्री सी.पी. सिंह, उप महाप्रबंधक (का.एवं प्रशा.), श्री बी.के. सिंह, प्रबंधक (हिंदी), श्री इन्द्र राम नेगी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर श्री बडोनी ने अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर जारी अपील पढ़कर सुनाई। कार्यपालक निदेशक (टी.सी.) ने सभी उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी पखवाड़ा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने हेतु प्रेरित करना है।

विजेताओं को पुरस्कृत करते श्री वी. के. बडोनी, कार्यपालक निदेशक (टी.सी.)

कोटेश्वर

विजेताओं को पुरस्कृत करते श्री यू. के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना)

हिंदी पखवाड़ा का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री यू.के. सक्सेना, महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। पूरे वर्ष के दौरान हिंदी में सर्वश्रेष्ठ कार्य करके राजभाषा की उन्नति में योगदान देने वाले वित्त एवं लेखा विभाग को प्रथम पुरस्कार के रूप में **चल वैजयंती ट्राफी** तथा कार्मिक एवं प्रशासन विभाग को द्वितीय पुरस्कार के रूप में रनर–अप ट्राफी प्रदान की गई।

पीपलकोटी

खुर्जा

पीपलकोटी एवं खुर्जा में हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों के दृश्य

विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार। सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

डिजिटल गंगावतरणम् के प्रथम संस्करण की लांचिंग

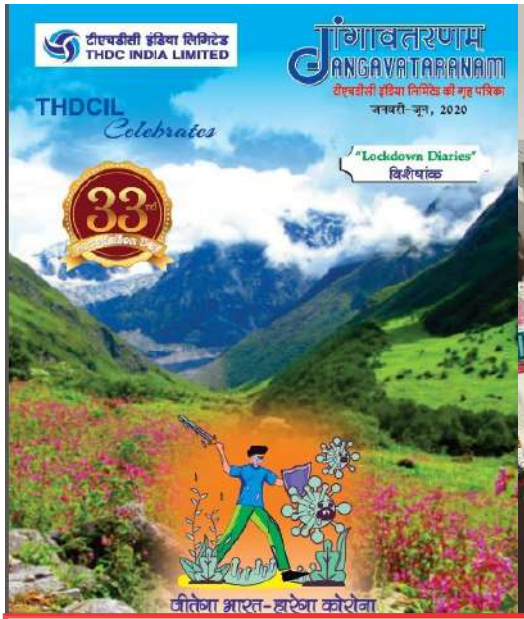

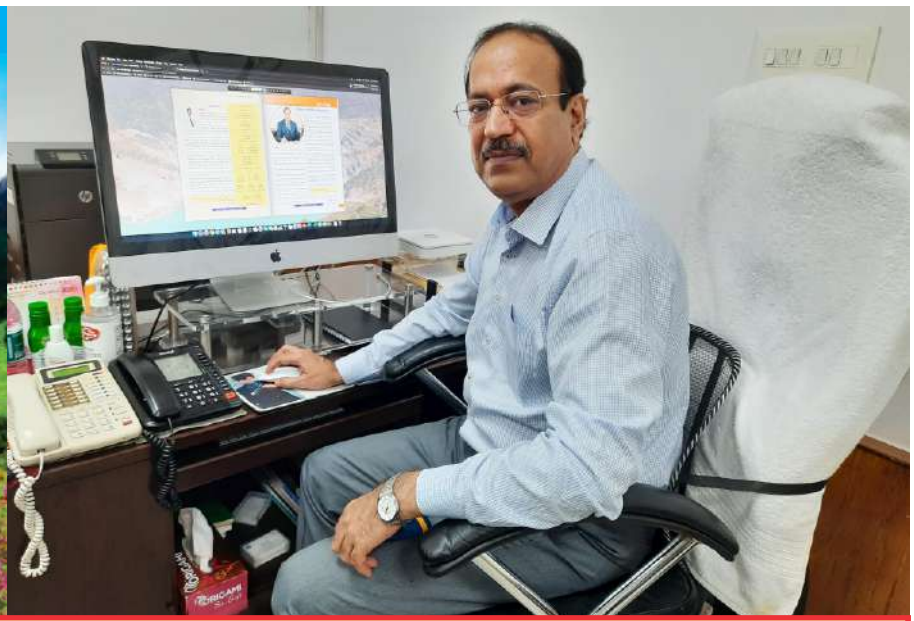

श्री विजय गोयल, निदेशक(कार्मिक) द्वारा सोशल मीडिया सेंटर एवं कारपोरेट संचार विभाग, ऋषिकेश के सौजन्य से निर्मित गृह पत्रिका गंगावतरणम् का **Digital Version** लाँच किया गया। यह टीएचडीसी वेबसाइट **www.thdc.co.in** के होम पेज पर **e-magazine Section** पर उपलब्ध है अथवा **https://thdc.co.in/gangavataranam/** लिंक पर भी click करके इसे देखा जा सकता है

Social Media Center conducted Webinar at Doon Group of Institutions

Social Media Center(SMC), THDC India Limited in collaboration with Doon Group of Institutions (DGI), Shyampur, Rishikesh conducted a webinar on **"Importance of Communication Skills in Professional Career"** on 02.10.2020. In this webinar around 185 students, faculty and staff members of various streams DGI participated and asked pertinent questions. During the webinar participants were also sensitized regarding Social Media Interventions of THDC India Limited and a roadmap was discussed about how THDCIL and

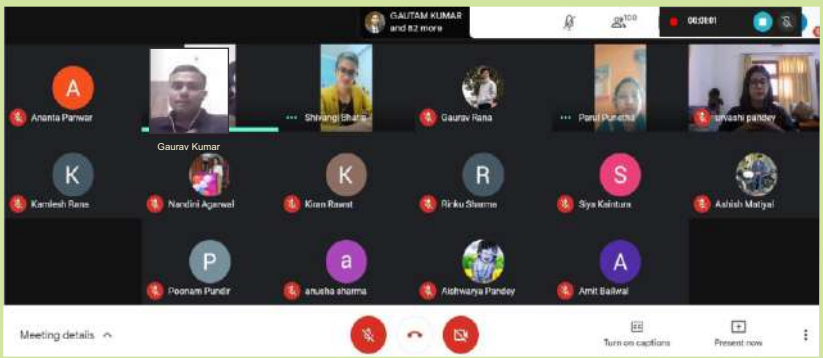

DGI can work together in the area of Social Media training and development interventions. Sh. Gaurav Kumar, Social Media Officer and Manager(PR) conducted the webinar on behalf of SMC, THDCIL. The webinar was coordinated by Dr. Parul Punetha, Hewad of Department, DGI and Ms. Shivagi Bhatia was the Moderator of the webinar.

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

विष्णुगाड पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में सी.आई.एस.एफ. का आगमन

विष्णुगाड पीपलकोटी परियोजना में 25 सितंबर, 2020 को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को नियोजित किए जाने के अवसर पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कोविड–19 के दृष्टिगत सीमित अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महाप्रबंधक (प्रभारी), श्री के.पी. सिंह एवं मुख्य अतिथि श्री टी.एस. रावत, कमांडेंट, सी.आई.एस.एफ. द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। तत्पश्चात महाप्रबंधक (प्रभारी) एवं मुख्य अतिथि द्वारा गॉर्ड ऑफ ऑनर एवं परेड का निरीक्षण किया गया।

महाप्रबंधक (प्रभारी) द्वारा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि वी.पी.एच.ई.पी. परियोजना में सी.आई.एस.एफ. को नियोजित करने हेतु 2014 से प्रयास किए जा रहे थे, जो आज साकार एवं फलीभूत हुए। सी.आई.एस.एफ. के आने से परियोजना के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने मे सहायता मिलेगी एवं परियोजना स्थल पर सुरक्षा का वातावरण बनेगा। इस अवसर पर कमांडेंट, सी.आई.एस.एफ., श्री टी.एस. रावत ने अपने संबोधन में कहा कि विष्णुगाड पीपलकोटी परियोजना में सी.आई.एस.एफ. के कार्मिक टीएचडीसी इंडिया लि. के अधिकारियों के साथ मिलकर कार्य करेंगे, जिससे कि परियोजना के कार्यों को निर्बाध रूप से चलाया जा सके एवं परियोजना का निर्माण कार्य समय पर पूरा हो सके।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि, श्री राज कुमार ठाकुर, सहायक कमांडेंट, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जोशीमठ को सी.आई.एस.एफ. परिसर की चाबी सौंपी गई। श्री राज कुमार ठाकुर, सहायक कमांडेंट, सी.आई.एस.एफ. ने अपनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हुए कहा कि विष्णुगाड पीपलकोटी परियोजना की सुरक्षा हेतु सी.आई.एस.एफ. कर्तव्यबद्ध है।

इस अवसर पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के कार्मिकों द्वारा हथियारों एवं दंगा नियंत्रण स्कवॉड का प्रदर्शन भी किया गया।

Training and Development Interventions

Across the globe, the spread of Novel Corona Virus COVID-19 has led to profound changes in social interaction and organization. Pandemic precautions called "social distancing" or "physical distancing" has attempted to reduce interpersonal contacts and thereby minimizes the kind of community transmission that could develop quickly in dense networks like the Training Halls/ Conference Halls. Following the logic of the exception—that extraordinary times call for extraordinary measures—one common trend in training activities around the world has been to respond to the pandemic with "eLearning" protocols, marking the rapid transition of face-to-face classes to online learning systems. THDCIL has also joined the trend and started the Training & Development activities through E-Mode for sustainable Growth & Development. Accordingly, Following Training Programmes were organized though e-learning platform:

Training Programme on Self Discovery through Emotional Intelligence

Emotional Intelligence is the Key to Professional success and a critical skill to develop. To understand individual Brain Profile , Talent & Competencies , a Virtual Training programme on "Self Discovery through Emotional Intelligence" was organised during 18th to 19th August through Ms. Lata Singh Dasila, a Certified EQ Assessor & Trainer , MEQ Academy Pvt Ltd. Total 21 No. Women Executives participated from NCR Kaushambi, Tehri , Rishikesh & Khurja.

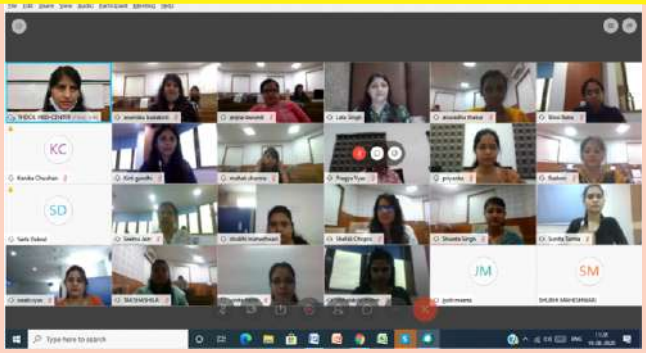

Group photograph of the Virtual Training Programme on "Self Discovery through Emotional Intelligence "

MDP on Mindfulness at Work

Group photograph of the participants

Good mental health at work and good management go hand in hand. THDCIL believes in workplaces where everyone can thrive. With the fortitude, Management Development Programme on the subject' **Mindfulness at Work**", for executives of E-5 to E-6 Level was organized between 20th-21st August 2020. The Programme was facilitated by renowned Speaker & Trainer Dr. Seema Sanghi from STYRAX CONSULTANTS PRIVATE LIMITED.

Wellness Programme

Programme on "Work-Life Balance, Health & Wellness" named as WELLNESS PROGRAM was organized from 24th-25th August for the Middle Level Executives. The Programme was facilitated by well known speaker on Health & Wellness, Mrs. Stutii Jain Saini from Oxcygen/GoGhumantu, Roorkee.

Group photograph of the participants

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

Training Programme on Best O&M Practices of Hydro Power Plant

With a view to strengthen skills of O&M personnel expose them with Best Practices of Operation & Maintenance of Hydro Power Plant , a virtual training programme on "Best O&M practices of HPP" was organised through National Power Training Institute, Nangal . The objective of the training programme was to give a thorough knowledge to the Engineers posted in O&M Deptt., with regard to latest Maintenance Techniques & systems to be adopted at Hydro power stations, ensuring smooth operational Levels and increase plant efficiency and reliability. Total 18 participants across the various locations participated in the programme.

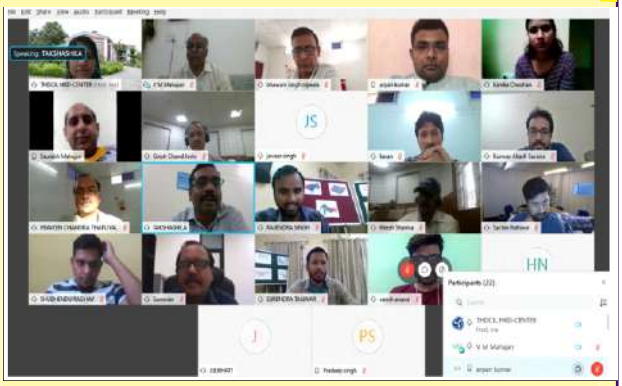

A group photograph of Virtual Training on" Best O&M Practices of HPP" organised from 26th to 28th August , 2020

Final Evaluation/ Assessment of Executive Trainees 2019 Batch

With a view to ensure sustainable growth of the organization and also as a strategic requirement of the corporation Executive Trainees in various Discipline (08 Finance and 08 Technical) were inducted in the corporation during August 2019 (ET 2019 Batch). After Undergoing Induction Training for One Year, the Evaluation of Executive Trainees (ETs) was conducted through Virtual Mode on 03/09/2020 by a duly Constituted Committee comprising Director (P), Director (F), Director (T) & GM (HRD).

Group Photograph of ET's along with Director (P), Director (F), Director (T) and GM (HRD).

Training Programme on HR Analytics

Group photograph of the participants

Important factor for the growth of any organization is to comply with the latest trends, be it in technology or in practices. To equip the Executives of HR Fraternity with the latest Technology; Training Programme on HR Analytics was organized through Princeton Academy, Mumbai from 15th-16th Sept., 2020. HR analytics is the process of collecting and analyzing Human Resource (HR) data in order to improve an Organization's workforce performance.

Training- Finance for Non-Finance

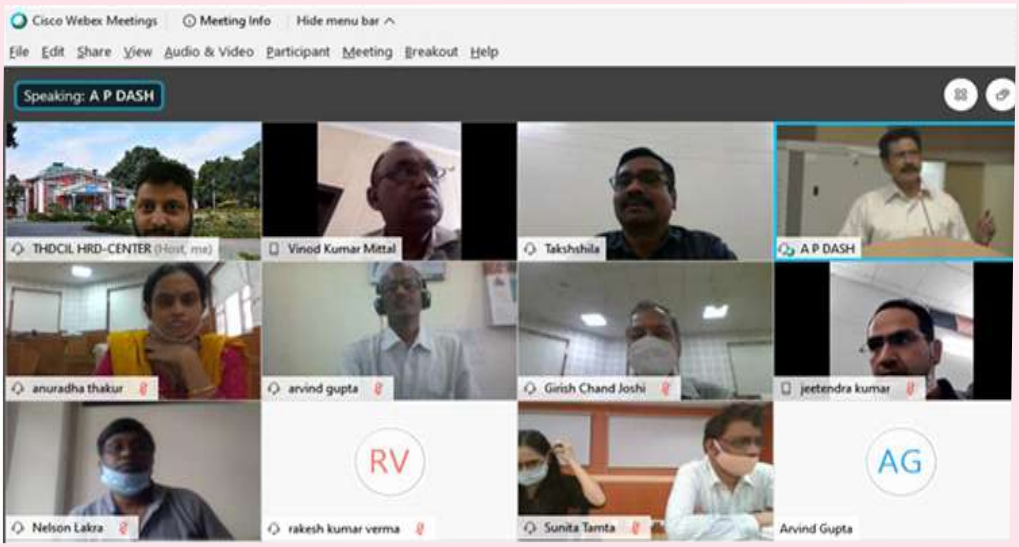

Group photograph of the participants

With the vision of enhancing the cross-functional competencies of the Manpower, a training programme on Finance domain for non-finance personnel was organized from 17th-18th Sept., 2020. Programme was facilitated Dr. A.P. Dash, Dean (NTPC School of Business), Ex-GM, NTPC Ltd & Ex- Director, Management, SYMBIOSIS University, Indore.

Online Safety Awareness Programme

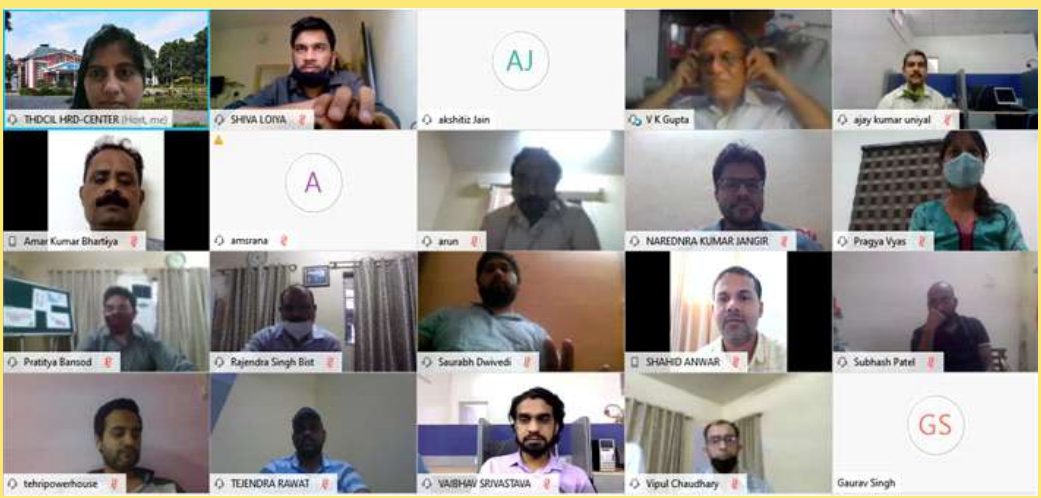

Group photograph of the participants

An online Safety Awareness Programme was organised through NPTI to create awareness among the Employees to ensure Safe and Healthy Work Environment and acquaint them with safety hazards and to correct them. Total 26 No. Executives participated from various locations viz. Tehri, Koteswar , Pipalkoti , Dhukwan & Khurja.

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

भगवान श्री विश्वकर्मा जी की पूजा का आयोजन

टिहरी

कोटेश्वर

पीपलकोटी

कोरोना वायरस संक्रमण (कोविड–19) की रोकथाम के दृष्टिगत पूर्ण सावधानी एवं सतर्कता के साथ सामाजिक दूरी का पालन करते हुए कारपोरेशन में इस बार दिनांक 17.09.2020 को विश्वकर्मा दिवस पर भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा का आयोजन सादगी एवं विधि विधान से किया गया। विश्वकर्मा पूजा का विशेष महत्व है। ऐसा माना जाता है कि सभी देवी देवताओं के भवनों, महलों, हथियारों एवं उनके दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं का निर्माण भगवान विश्वकर्मा द्वारा किया गया है। विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण की द्वारिका व रावण की सोने की लंका का निर्माण भी उन्होंने ही किया था।

घराट–पुनरूद्धार एवं आधुनिकरण

ग्रामीण भारत के पास पारंपरिक ज्ञान का अथाह भंडार है, परन्तु आवश्यकता है इस पारंपरिक ज्ञान रखने वाले समुदायों को मजबूत एवं लाभान्वित करने की तथा इसके साथ ही विकास और व्यापार को बढ़ावा देने वाले प्राकृतिक स्रोतों के बारे में पारंपरिक ज्ञान के दायरे को व्यापक रूप से समझने की। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत में ग्रामवासी प्राचीन समय से अपनी कृषि और घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों जैसे कि नदियों, नालों के बहते हुए जल और उनके आस–पास उपलब्ध वन संसाधनों को उपयोग करते आ रहे हैं। उत्तराखंड के दूर–दराज के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोग अभी भी ऊर्जा के विभिन्न प्राकृतिक और स्थायी स्रोत का उपयोग अपने दिन–प्रतिदिन कृषि और घरेलू संबंधित गतिविधियों को पूरा करने के लिए करते हैं। यह पारंपरिक ज्ञान उन्होंने एक लम्बे समय के अनुभव और प्रयासों से प्राप्त किया है और सदियों से अपनाया हुआ है। जल हमारे जीवन की एक बड़ी ज़रुरत एवं ऊर्जा का अनूठा स्रोत है। बहते हुए जल ऊर्जा की संभावना और उसे यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करने का ज्ञान हमारे पुरखों ने सदियों पहले ही पहचान कर इसका बखूबी इस्तेमाल किया है। प्राकृतिक संसाधन, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय कौशल का ऐसा ही उदाहरण है – घराट। पहाड़ी क्षेत्रों में जहां पानी के बारहमासी (सदाबहार) प्रवाह की उपलब्धता है, पारंपरिक घराट बहते जल की ऊर्जा का उपयोग प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त कल–पुर्जों का उपयोग करते हुए विभिन्न यांत्रिक कार्यों जैसे पिसाई, मिलिंग, रोलिंग आदि कार्य करते हैं। उत्तराखंड राज्य जो मुख्य रूप से पहाड़ी है, जिसमें नदियों,

धाराओं और झीलों में साल भर जल प्रवाह बना रहता है, घराट यहाँ के गांवों का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। एक समय था जब घराट की आवाज़ इस क्षेत्र के समाज की धड़कन थी, समाज की ज़रुरत थी और इसमें यहाँ की संस्कृति की गूँज थी। घराट की दिलकश आवाज़ भले ही आज कल कम सुनाई देती हो, लेकिन बीते वक़्त में पहाड़ों की घाटियां इस मधुर संगीत से अनजान नहीं थी। ऐसी छोटी–छोटी नदियों के किनारे हर आबादी के आस–पास, घराटों की मौजूदगी बेहद आम ही नहीं बल्कि उनकी जरूरत थी, लेकिन बदलते दौर के साथ घराटों की गति का ताल–मेल नहीं बन सका। वैज्ञानिक सोच और परंपरा का ये प्रतीक लड़खड़ाने लगा, ख़त्म होने लगा। छोटी–छोटी नदियों के

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

किनारे बनी सरल लेकिन कामयाब मशीनें सदियों तक हमारा साथ देती रही, लेकिन इनका बुरा वक़्त तब शुरू हुआ जब हमने बदलते वक़्त के साथ इनमें कोई भी बदलाव की कोशिश नहीं की। इन घराटों को गैर ज़रूरी समझ लिया गया, गाँव का विज्ञान आधुनिकता के दौर से हार गया, टूट गया और आखिर में बिखर गया। बाज़ारनुमा व्यवस्था के दौर में ये घराट अँधेरे में कहीं खो से गए। ये पराजय है उस सोच की जिसने तेज़ रफ़्तार की ख्वाहीश से कुदरत से जुड़े विज्ञान से नाता तोड़ लिया था। खंडहरों में तब्दील ये घराट भले ही आसानी से नज़र भी नहीं आते हों, लेकिन इन चक्कीयों में पिसे हुए आटे का स्वाद पुरानी पीढ़ी को आज भी याद है।

एक ओर घराट ख़त्म हो रहे थे, तो दूसरी ओर गाँव की बुनियादी ज़रूरतों से जुड़े हुए लोग इस धरोहर को नए नज़रिए से समझने की मुहिम में लगे हुए थे। सदियों पुरानी तकनीक में कुछ फेर बदल की दरकार थी। सेवा–टीएचडीसी ने इस दिशा में सोचा और कामयाबी भी मिली। सेवा–टीएचडीसी ने अब तक 20 घराटों को पुनर्जीवित किया है। पुनर्जीवित घराटों के नए डिजाईन

घराटों के मूल रूप के बेहद करीब है। घराटों के नए डिजाईन में इस बात का खास ध्यान रखा गया है कि आटा पिसाई के दौरान गुणवत्ता ख़राब न हो। आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल ने घराट को और ज्यादा उपयोगी बना दिया है। धान कूटना हो या सरसों की पिराई या फिर छोटे स्तर पर बिजली का उत्पादन, जब दूर दराज़ के गाँवों में, इस नई तकनीक को अपनाया गया तो परंपरागत घराटियों को यह काफी बेहतर लगा। सेवा–टीएचडीसी द्वारा घराट में किए गए प्रमुख सुधार इस प्रकार थे, घराट चक्की में पानी लेने हेतु प्रयुक्त चीड पेड़ की लकड़ी को एच.डी.पी.ई पाइप से बदला गया, कूड़ा करकट / घास / पत्थर इत्यादि को शाफ़्ट में घुसने से रोकने के लिए उपयुक्त लोहे की जाली को लोहे की छड़ से बदला गया, जिसने पानी के प्रवाह को तेज़ किया, लकड़ी के फ्लैट पैंडल पहिये को प्लास्टिक की टरबाइन शाफ़्ट से परवर्तित कर हल्का और ज्यादा टिकाऊ बनाया गया, जिससे पिसाई के पत्थरों में रोटेशन अधिक रहता है।

सेवा–टीएचडीसी के प्रयासों के बाद अब पारंपरिक घराटों की गति 120–160 आर.पी.एम से बढ़कर 200–250 आर.पी.एम हो गई है जिससे घराट की पॉवर उत्पादन क्षमता 0.2–0.5 KW से बढकर 0.5–3.0 KW हो गई है। पहले परंपरागत घराटों में केवल अनाज (मक्का, गेहूं, बाजरा, चावल आदि), 10–20 किग्रा./ घंटा पिसता था, पर अब औसतन अनाज का पीसना (25–30 किग्रा./ घंटा), मक्काः 35, गेहूं: 40, बाजराः 70 धान से भूसी निकालना / आंशिक रूप से धान की पॉलिशिंग (50–70 किग्रा./ घंटा), तिलहनों से तेल निकालना (10–15 किग्रा./ घंटा) हो गया है। घराटों के ये घूमते चक्के, अब सिर्फ पिसाई ही नहीं करते, बल्कि इनकी गति ऊर्जा संकट का समाधान भी दे रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार गंभीर सर्दियों के महीनों और असामान्य मौसम की स्थिति के दौरान नियमित रूप से बिजली की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित हो जाती है, तो ऐसी स्थितियों में ये घराट विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में अनाज पीसने का एकमात्र स्रोत होते हैं। खेती के अलावा, ये घराट किसान परिवारों के अतिरिक्त आय के स्रोत के रूप में भी काम करते हैं। यह घराट किफायती, कम, कार्यात्मक लागत वाले तथा पर्यावरण के अनुकूल होते हैं तथा तकनीकी सुधार के बाद कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। इसके अलावा स्थानीय निवासियों ने बताया कि इलेक्ट्रिक / डीज़ल चक्की से प्राप्त आटे की तुलना में घराटों के आटे का स्वजीवन अधिक होता है तथा यह अधिक पौष्टिक और स्वादिष्ट होता है।

–सौरभ कुशवाहा, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी
(सामाजिक), ऋषिकेश

Congratulations to Meritorious Wards of THDCIL Employees on securing high marks in the X th and XII th Board Examination in 2020. THDCIL extends good wishes for their bright future.

CLASS X

98.8%

Nishtha Chaudhary
D/o Shri Bipin Chaudhary, Sr. Manager, Tehri
High School (CBSE)

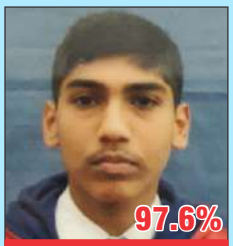

97.6%

Abhinav Sahoo
S/o Shushanta Kumar Sahoo, DGM (PSP),Tehri
High School (CBSE)

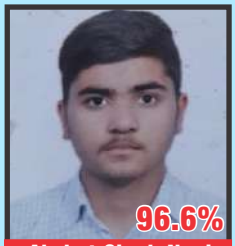

96.6%

Akshat Singh Negi
S/o Shri Yashwant Singh Negi, Sr. Engineer (Safety), Tehri
High School (CBSE)

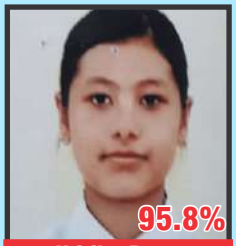

95.8%

Kritika Rana
D/o Shri Vijay Pal Singh Rana, Sub -Engineer (I.T.), Tehri
High School (CBSE)

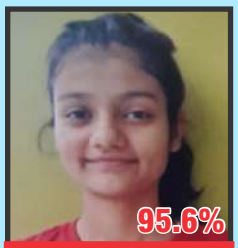

95.6%

Sonali Rana
D/o Shri Sabbal Singh Rana, Sr. Technician (O&M), Tehri
High School (CBSE)

94.6%

Aditya Bhatt
S/o Shri L.M.Bhatt, Sr. Personal Officer (CP-Estt.), Rishikesh
High School (ICSE Board)

92.2%

Pratyaksh Goel
S/o Shri V.K. Goel, DGM (Spillway), Tehri
High School (CBSE)

90.2%

Anita Nishad
D/o Ram Lakshan Nishad
THDC High School, Rishikesh
(Uttarakhand Board)

CLASS XII

96.25%

Garima Singh
D/o Shri Lakkhu Singh,Sub-Engineer (Mechanical), Tehri
Intermediate (CBSE)

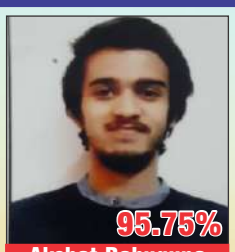

95.75%

Akshat Bahuguna
S/o Shri Atul Bahuguna, Sr. Engineer (Dam), Tehri
Intermediate (CBSE)

93.75%

Achin Negi
S/o Shri Jot Singh Negi, Sub-Officer (DEO), F&A, Tehri
Intermediate (CBSE)

92.75%

Astha Bahuguna
D/o Shri Atul Bahuguna, Sr. Engineer (Dam), Tehri
Intermediate (CBSE)

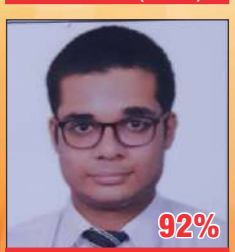

92%

Ahip Sharma
S/o Shri Rajesh Sharma, AGM (C&MM), Tehri
Intermediate (CBSE)

91.5%

Ayush Rawat
S/o Shri Surendra Singh Rawat, Sub-Officer (Secretariat-ED Office), Tehri
Intermediate (CBSE)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।।

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

Er. H. Wadhawa
GM (Project), Dhukwan
Retirement: 30.09.2020

Er. H. Wadhawa graduated in civil engineering from Regional Engineering Collage, Kurukshetra in year 1982. He joined THDC on 14-07-1992 and worked under various capacities in Tehri & Koteshwar Hydro Electric Projects, Corporate Office Rishikesh & Dhukwan Small Hydro Project till year 2020. He was promoted on the post General Manager on 27-06-2018. Er. Wadhawa is an active member of The Institution of Engineers (India) and authorised to use the title of Chartered Engineer (India).

He has also done General Management Programme from Indian Institute of Management (IIM) Lucknow in 2011 & Advanced Management Programme on Leadership & Change from Administrative Staff college Hyderabad in 2014.

श्री के.वी. प्रसाद
उप महाप्रबंधक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री दिनेश कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति 30.09.2020

श्री रजनीश कुमार त्यागी
वरिष्ठ प्रबंधक
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति तिथि : 30.09.2020

श्री हरीश कुमार शर्मा
उप अभियंता (प्रारूपकार)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री शिशुपाल सिंह रावत
उप अधिकारी
देहरादून
सेवानिवृत्ति 31.08.2020

श्री विरेन्द्र सिंह चौहान
उप अधिकारी
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 30.09.2020

श्री दधी राम
उप अधिकारी
गाजियाबाद
सेवानिवृत्ति 30.09.2020

श्री रमेश चंद्र तिवारी
वरिष्ठ विद्युतकार
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री रमा कान्त शर्मा
वरिष्ठ सहायक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.08.2020

श्री ऋषि पाल
वरिष्ठ तकनीशियन
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री सक्टू सिंह
हेल्पर
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री श्रीनिवास
वरिष्ठ कुक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्रीमती पुष्पा देवी
परिचारक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.08.2020

श्री राम पाल सिंह
वरिष्ठ तकनीशियन
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री पल्टू राम
वरिष्ठ सहायक
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्रीमती राजबाला
परिचारक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री नन्द राम
हेल्पर
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.07.2020

श्री सिद्धा नन्द
हेल्पर
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.08.2020

श्री सत्ये सिंह
हेल्पर
टिहरी
सेवानिवृत्ति 31.08.2020

श्री राम गोपाल सिंह
हेल्पर
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

श्री गजेन्द्र सिंह
वरिष्ठ चालक
टिहरी
सेवानिवृत्ति 30.06.2020

"शोक संवेदना"

टीएचडीसीआईएल में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों के आकस्मिक निधन पर निगम उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करता है तथा ईश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

श्री हुकम चंद
हैल्पर (ओ.एम.एस)
ऋषिकेश
निधन – 15.07.2020

श्री जोत सिंह
परिचारक, टिहरी
निधन– 22.08.2020

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी–क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule-A Mini Ratna, Government PSU)

UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE HALF YEAR ENDED SEPTEMBER 2020.

[under Regulation 52 (8) , read with Regulation 52 (4) , of the SEBI (LODR) Regulation , 2015]

(₹in Lakh)

Sl. No.	Particulars	Current Half Year Ended year Ended 30.09.2020 (Unaudited)	Previous year Half Year Ended 30.09.2019 (Unaudited)
1	Total Income from operations	112203	120398
2	Net profit / (loss) for the period (before Tax, Exceptional and /or Extraordinary items#)	58761	47963
3	Net profit / (loss) for the period before Tax (after Exceptional and /or Extraordinary items#)	55718	47963
4	Net profit / (loss) for the period after Tax (after Exceptional and /or Extraordinary items#)	43663	42408
5	Total comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	43417	42219
6	Paid up Equity Share Capital	366588	366588
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve)	600076	553725
8	Net Worth	966664	920313
9	Paid Up Debt Capital / Outstanding Debt	506365	463352
10	Outstanding Redeemable Preference Shares	0	0
11	Debt Equity Ratio	0.52	0.50
12	Earnings Per Share (of Rs 1000/- each) (for continuing and discontinued operations)- 1.Basic 2. Diluted	 119.11 119.11	 115.85 115.79
13	Capital Redemption Reserve	0	0
14	Debenture Redemption Reserve	5350	2850
15	Debt Service Coverage Ratio	1.55	2.11
16	Interest Service Coverage Ratio	3.27	3.50

Notes:

Above results have been approved by the Board of Directors at their meeting held on 29.10.2020.

OTHER PARTICULARS as per Regulation 52(4)	
Credit rating	For Corporate Bonds Series-I – AA+,AA For Corporate Bonds Series-II – AA+,AA For Corporate Bonds Series-III – AA, AA
Asset cover available	For Corporate Bonds Series-I- 2522.42 Cr. For Corporate Bonds Series-II - 3602.84 Cr. For Corporate Bonds Series-III- 1601.10 Cr.
Due date for the payment of interest	**Corporate Bonds Series-I** Previous date of payment – 03.10.2020 Next due date of payment – 04.10.2021 **Corporate Bonds Series-II** Previousdate of payment – 07.09.2020 Next due date of payment – 06.09.2021 **Corporate Bonds Series-III** Next due date of payment – 24.07.2021

Notes:

Financial results of the company have been prepared in accordance with Accounting standard (IND AS) notified under Companies Act 2013

a) For the items referred in sub-clauses (a), (b), (d) and (e) of the Regulation 52 (4) of the SEBI (Listing Obligation and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015, the pertinent disclosures have been made to the Stock Exchange(s) (NSE and BSE).

b) # - Exceptional and/or Extraordinary items adjusted in the Statement of Profit and Loss in accordance with Ind AS Rules / AS Rules, whichever is applicable.

Place : Rishikesh
Date : 29.10.2020

For and on Behalf of THDCIL
Shri D.V. Singh
(Chairman and Managing Director)

Generating Power... Transmitting Prosperity...

Stay Protected from Corona

Wear Your Mask Properly

Regularly wash your hands with soap

Keep Social Distancing

No Carelessness until there is a Cure

Follow us:- @THDCIL 24×7 | @THDCIL_MOP | @THDCIL | @THDCIL India Limited - Official

RNI No. F-2(G-10) PRESS/91

THDCIL IN NEWS

हिंदी भाषा के प्रयोग करने का आह्वान

ऋषिकेश। टीएचडीसी में आयोजित 14 सितंबर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन मंगलवार को हुआ। इस दौरान निदेशक कार्मिक विजय गोयल ने कर्मियों से कामकाज में हिंदी भाषा के प्रयोग का आह्वान किया। कर्मचारी पुरस्कृत भी हुए।

मंगलवार को टीएचडीसी के हरिद्वार बाईपास मार्ग स्थित कारपोरेट कार्यालय में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हिंदी पखवाड़ा में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताएं हुई।

वरिष्ठ हिंदी अधिकारी पंकज कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि और कर्मचारियों को हिंदी पखवाड़ा के बारे में जानकारी दी। निबंध में हरीश चंद्र उपाध्याय, नोटिस ड्राफ्टिंग में शिवराज चौहान, अनुवाद में संजय रावत, कविता लेखन में एसके चौहान प्रथम रहे। हिंदी ई-मेल प्रतियोगिता में वरिष्ठ प्रबंधक खीम सिंह अव्वल रहे हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय रुड़की के संजीव कुमार ने बाजी मारी। उपमहाप्रबंधक कॉर्पोरेट संचार डा. एएन त्रिपाठी ने कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया।

Hindi Week successfully held at THDC

DEHRADUN, SEPT 29 (HTNS): Hindi Week was successfully observed between 14 to 29 September in the corporate office of THDC in Rishikesh. During this period different competitions and programmes were organized online. The Week ended with prize distribution to the winners.

Prize distribution programme held under the presidentship of Director Vijay Goel was attended by all the officers and workers of THDC. Programme was conducted by Senior Hindi Officer Pankaj Kumar. Thee Hindi Essay Competition was won by Harish, Sjivraj won the Noting and Drafting Competition, Translation Competition was won by Sanjay Raut, Poetry Competition was won by SK Chauhan and Ajai Kumar won the Hindi e-mail Competition.

Human Resource Department got the inter-departmental Shield for Rajbhasha Trophy. The ones who worked most in Hindi were named NK Prasad, Muhar Mani, Sachin Mittal and Ashutosh Kumar Anand.

राजभाषा हिंदी में कामकाज का आह्वान

● टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में हिंदी पखवाड़ा संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

ऋषिकेश। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में कोरोना काल के चलते पहली दफा हिंदी पखवाड़ा ऑनलाइन आयोजित हुआ। इसमें न सिर्फ प्रतियोगिताएं, बल्कि पुरस्कार का वितरण भी ऑनलाइन ही किया गया। पखवाड़े के समापन पर केंद्रीय संचार विभाग को उत्तरोत्तर प्रगतिगामी चल राजभाषा शील्ड से नवाजा गया। जबकि अन्य विभाग और अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

हिंदी पखवाड़े के समापन पर मंगलवार को ऑनलाइन पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कारपोरेशन के निदेशक कार्मिक विजय गोयल ने की। इस दौरान उन्होंने निबंध में हरीश चंद्र उपाध्याय, नोटिंग ड्राफ्टिंग में शिवराज चौहान, अनुवाद में संजय रावत और कविता लेखन में एसके चौहान को प्रथम स्थान हासिल करने पर सम्मानित किया गया। कारपोरेशन के उपमहाप्रबंधक डा. एएन त्रिपाठी ने बताया कि हिंदी ई-मेल प्रतियोगिता में अजय कुमार और खीम सिंह बिष्ट अव्वल रहे। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य संस्थानों के लिए राजभाषा हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय रुड़की के संजीव कुमार ने पहला स्थान हासिल किया। समारोह में मानव संसाधन विकास विभाग को अंतर विभागीय चल राजभाषा ट्राफी और केंद्रीय संचार विभाग को उत्तरोत्तर प्रगतिगामी चल राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। हिंदी में सर्वाधिक काम करने वाले विभागाध्यक्षों में अपर महाप्रबंधक एनके प्रसाद, कार्यपालक निदेशक मुहरमणि, प्रबंधक सचिन मित्तल और आशुतोष कुमार आनंद भी पहले स्थान पर हैं। समारोह में निदेशक कार्मिक विजय गोयल ने सभी अव्वल प्रतिभागीय अधिकारी और कर्मचारियों के साथ ही विभागों को सम्मानित करते हुए उनसे सरकारी कामकाज हिंदी में करने का आह्वान भी किया।

INFORMATION

टीएचडीसी इण्डिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी–क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule-A Mini Ratna, Government PSU)

विज्ञापन सं.: आई.टी.आई.– अप्रेन्टिसशिप ट्रेनिंग–01/2020

टीएचडीसी इण्डिया लिमिटेड–ऋषिकेश, 110 नम्बर (आई.टी.आई.) ट्रेड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण (Apprenticeship Training) में रखने (Engagement) हेतु आवेदन आमंत्रित करता है। सीटों की संख्या, अर्हता, आयु सीमा, रियायत, चयन प्रक्रिया, आवेदन कैसे करें, आदि के विस्तृत विवरण हेतु टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट **www.thdc.co.in > Career>New Openings** सेक्शन पर विस्तृत विज्ञापन देखें।

अंतिम तिथिः 20.10.2020

प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश–249201 (उत्तराखण्ड)

उपर्युक्त विज्ञापन के विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट **www.thdc.co.in** को देखें। संशोधन/स्पष्टीकरण (यदि कोई होगा) तो केवल उपर्युक्त वेबसाइट पर ही होस्ट किया जाएगा।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी–क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule-A Mini Ratna, Government PSU)

सूचना

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्मित टीएचडीसी इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रो पावर इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी, भागीरथीपुरम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय को संघटक संस्थान के रूप में संचालित किया जा रहा है। इस संस्थान में इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं – सिविल, मैकेनिकल, इलैक्ट्रीकल, इलैक्ट्रोनिक्स एवं कंप्यूटर साइंस में प्रवेश हेतु तीन सीट प्रति ब्रांच बाँध प्रभावित/डूब क्षेत्र के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की गयी है। ऐसे अभ्यर्थी जो उपरोक्त श्रेणी में आते हैं, वे शैक्षणिक सत्र 2020–2021 हेतु अपना आवेदन दिनांक **25.09.2020** तक संस्थान की वेबसाइट **www.thdcihet.ac.in में आनलाइन आवेदन कर सकते हैं**। उक्त अभ्यर्थी प्रवेश हेतु विस्तृत जानकारी संस्थान की बेवसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
भागीरथीपुरम, टिहरी टिहरी गढ़वाल

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए.एन. त्रिपाठी, उप महाप्रबंधक (कार्मिक–नीति, भर्ती व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश–249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोनः 0135–2473504, वेबसाइटः www.thdc.co.in ईमेलः prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निःशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)